

केकारव स्त्री. (तत्.) मोर की बोली।

केचित् पुं. (तत्.) कोई, कोई-कोई।

केड़वारी स्त्री. (देश.) वह बाग जिसमें साग सब्जी फलादि बोए और लगाए जाएँ, नए पौधों का बाग, नौरंगा।

केड़ा पुं. (देश.) 1. नया पौधा या अंकुर, कोंपल, कल्ला 2. नवयुवक 3. खेत से काटी हुई फसल या घास का गट्ठा।

केत पुं. (तत्.) 1. घर, भवन 2. स्थान, जगह, बस्ती 3. केतु, ध्वजा 4. बुद्धि, प्रज्ञा 5. संकल्प, इच्छाशक्ति 6. मंत्रणा, सलाह 7. अन्न 8. केवड़ा 9. आकाश 10. निमंत्रण।

केतकी स्त्री. (तत्.) 1. एक प्रकार का छोटा झाड़ या पौधा, केवड़ा 2. एक प्रकार का सुगंधित फूल।

केतन पुं. (तत्.) 1. निमंत्रण, आह्वान 2. ध्वजा, चिह्न 3. घर, धब्बा 4. शरीर, संस्थान, जगह।

केतली स्त्री. (अं.) पानी गरम करने का एक टॉटीदार बरतन, जिसके मुँह पर ढक्कन होता है।

केतु पुं. (तत्.) 1. ज्ञान 2. दीप्त, प्रकाश 3. ध्वजा, पताका 4. पुराण के अनुसार एक राक्षस का कबंध जो समुद्रमंथन के समय देवों की पंक्ति में बैठ कर अमृत पी गया था, जिस कारण विष्णु ने इसका सिर काट डाला था, अमृत के प्रभाव से इसका सिर राहु और कबंध केतु हो गया 6. एक प्रकार का तारा जिसके प्रकाश की एक पूँछ दिखाई देती है, इसे पुच्छल तारा भी कहते हैं 7. नवग्रहों में से एक ग्रह 8. प्रकाश किरण 9. प्रधान व्यक्ति 10. दिन का समय 11. आकार, आकृति 12. शत्रु 13. एक रोग।

केतुकुंडली स्त्री. (तत्.) फलित ज्योतिष के अनुसार बारह कोष्ठों का एक चक्र जिससे प्रत्येक वर्ष का स्वामी निकाला जाता है।

केतु तारा पुं. (तत्.) पुच्छल तारा।

केतुपताका स्त्री. (तत्.) फलित ज्योतिष के अनुसार नौ कोष्ठों का एक चक्र जिससे वर्षश निकाला जाता है।

केतुमान वि. (तत्.) 1. तेजवान, तेजस्वी 2. ध्वजा वाला 3. बुद्धिमान 4. प्रतीकयुक्त।

केतुमान पुं. (तत्.) हरिवंश के अनुसार काशिराज दिवोराज के वंश का एक राजा जो धन्वंतरि का पुत्र था 2. एक दानव का नाम।

केतुमाल पुं. (तत्.) जंबूद्वीप के नौ खंडों में से एक खंड।

केतुयष्टि स्त्री. (तत्.) ध्वज का दंड।

केतुरत्न पुं. (तत्.) लहसुनियाँ नामक रत्न।

केतुवसन पुं. (तत्.) पताका, ध्वजा।

केतुवृक्ष पुं. (तत्.) पुराणानुसार मेरु के चारों ओर के पर्वतों पर के चार वृक्षों के नाम।

केदार पुं. (तत्.) 1. वह खेत जिसमें धान रोपा या बोया जाता है, कियारी 2. वृक्ष के नीचे जमीन पर बना हुआ थाला 3. मेघनाथ का चौथा पुत्र 4. हिमालय का एक शिखर जहाँ केदारनाथ नाम का एक शिवलिंग है 5. शिव का एक नाम।

केदारक पुं. (तत्.) साठी धान।

केदारखंड पुं. (तत्.) 1. स्कंदपुराण का एक खंड जिसमें केदारतीर्थ के महात्म्य का वर्णन है 2. स्कंदपुराण (काशी खंड) के अनुसार वाराणसी के तीन खंडों या भूभागों में से एक का नाम, काशी का दक्षिणवर्ती खंड जहाँ केदारनाथ का मंदिर है 3. जल रोकने के लिए बनाया गया मिट्टी का छोटा बांध।

केदारगंगा स्त्री. (तत्.) उत्तराखंड की एक प्रसिद्ध नदी जो गंगा में मिलती है।

केदारनट पुं. (तत्.) षाड़व जाति का एक संकर राग जो नट और केदार को मिलाकर बनता है।

केदारनाथ पुं. (तत्.) हिमालय के एक पर्वत का नाम, जिसके शिखर पर केदारनाथ नामक शिवलिंग है।

केदारी स्त्री. (तत्.) दीपक राग की पाँचवी रागिनी जो रात के समय दूसरे पहर की पहली घड़ी में गायी जाती है।